राधिके ले चल परली पार

राधिके ले चल परली पार,
जहा विराजे नटवर नागर,नटखट नन्द कुमार
किशोरी ले चल परली पार,

गुण अवगुण सब उनको अर्पण,
पाप पुण्य सब उनको समर्पण
मैं उनके चरणन की दासी,
राधिके ले चल परली पार.....

उनसे आस लगा बेठी हु ,
लज्ञा शील गवा बेठी हु ,
सांवरिया मैं तेरी रागनी तू मेरा मल हार,
राधिके ले चल परली पार.....

तेरे सिवा कुछ चाह नही है
कोई सुजाती राह नही है मेरे प्रीतम मेरे माजी,
सुनियो करुण पुकार,
राधिके ले चल परली पार.....

आनंद धन यहाँ बरस रहा है पता पता हर्ष रहा है
बहुत हुई अब हार गई मैं पड़ी पड़ी मजधार,
राधिके ले चल परली पार.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2181/title/radhike-le-chal-parli-paar-jaha-vijare-natvar-naagar-natkhat-nand-kumar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |